

# देशबन्धु

वर्ष - 8 | अंक-204 | सागर, मंगलवार, 12 सितंबर 2023 | पृष्ठ - 8 | मूल्य - 3.00 रुपए

गुरुसाए परिजनों ने हाईवे पर शब्द रथकर कर लगाया जाम

पृष्ठ 3

- उपनाव: विकल्प के उभरने के संकेत
- आपनी पहली चुनावी लश्वर में इंडिया अलायंस ने एनडीए पर बनाई वट्टा

पृष्ठ 4

- भाजपा-कांगेश पार्षदों ने सीएमओ को सुनाई खटी खोटी

पृष्ठ 6

- मुस्लिम समाज ने मंत्री भूमेंद्र सिंह का अभिनंदन किया

पृष्ठ 8

## सार-समाचार

प्रियंका गांधी 5 अक्टूबर को मोहनरेड़ा आएंगी



भोपाल, देशबन्धु। कांग्रेस की चुनावी तैयारियां जोर पकड़ रही हैं। पार्टी की राजीव महासचिव प्रियंका गांधी वाडा 5 अक्टूबर को मध्यप्रदेश के दौरे पर आ रही हैं। वह प्रदेश के धार जिले के मोहनरेड़ा में कांग्रेस की एक जनसभा को संबोधित करेंगी। हाल ही में श्रीमती वाडा का प्रदेश में यह तीसरा दौरा है। इसके पहले प्रियंका गांधी प्रदेश की संस्करणीय जबलपुर और चालीय का दौरा कर चुकी हैं। इस दौरान उड़ानें बढ़ी जनसभाओं को सम्बोधित किया था।

राजमुंद्री केंद्रीय कारागार भेजे गए चंद्रबाबू नायडू

विजयवाडा, एजेंसी। तेलुगु देश पार्टी के प्रमुख एवं पूर्व मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू को सोमवार तड़के राजमुंद्री केंद्रीय कारागार जेल में भेज दिया गया। जेल अधिकारियों ने श्री नायडू को कैंप नंबर '7691' बनाया है। श्री नायडू को जेल के 'खेल' ब्लॉक में रखा गया है। जेल अधिकारियों ने श्री नायडू को कुछ विषेष सुविधाएं प्रदान की हैं। उड़ें जेल में एक निजी सहायक और पांच सूरक्षकर्मी दिए गए हैं। श्री नायडू की पांच भुवनेश्वरी, पुत्र लोकेश और बहू ब्राह्मणी केंद्रीय जेल में उनसे मिले।

चुनाव आयोग ने की बंगाल में चुनाव तैयारियों की समीक्षा

कोलकाता, एजेंसी। निर्वाचन आयोग के दो वरिष्ठ उपचुनाव आयुक्तों धर्मेंद्र शर्मा और निरेश कुमार व्यास ने सोमवार को पश्चिम बंगाल के मुख्य निवाचन अधिकारी (सीईओ) अर्जान आकाश बाबत के साथ महातामा सूची के विशेष सारांश पुनरीक्षण और राज्य में 2024 लोकसभा चुनाव के लिए चुनाव तैयारियों पर समीक्षा बैठक की। अधिकारिक सूची ने सोमवार को यह जानकारी दी। बैठक में इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीनों ('ईवीएम') की मांगों के साथ-साथ इस्तेमाल की गई ईवीएम की स्थिति भी जानने का प्रयास किया गया।

डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित हुए जावेद अख्तर

मुंबई, एजेंसी। बांलीबुड़ु के जानमने लेखक, गीतकार और कवि जावेद अख्तर को लंदन यूनिवर्सिटी के स्कूल ऑफ ऑरिएंटल एंड अफ्रीकन स्टडीज की ओर से डॉक्टर ऑफ लिटरेचर की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। लंदन में हुए इस समारोह में जावेद अख्तर के साथ उनकी पत्नी शबान आजीमी और पुत्र फरहान अख्तर भी मौजूद रहे। जावेद अख्तर ने इस समारोह को आभार तातो हुए कहा कि जब भी ऐसा कोई पुस्कर किया जाता है तो यह नहीं भूलना चाहिए कि समान कला का किया जा रहा है, कलाकार का नहीं।

बिजली गिरने से 150 भेड़ों की मौत

उनाव, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के उनाव जिले में बारिश और बिजली गिरने की घटनाओं से जनजीवन खास प्रभावित हुआ है। हसनगंज तहसील क्षेत्र में रिवार देर रात बिजली गिरने से 150 भेड़ों के मारे जाने की सूचना है वहीं बीचारु तहसील क्षेत्र के एक अंतीमान्दीर के आंशिक क्षतिजहाज होने की बात प्रकाश में आई है। एसीईएम हसनगंज नवीन चंद्र के अनुसार हसनगंज तहसील के मुंडेया गांव में बिजली गिरने से लगभग 140 भेड़ों की मौत हुई है। बिजली गिरने से भेड़ पालक के लाखों रुपए के नुकसान का अनुमान है।

नशीले पदार्थों की तस्करी मामले में 3 गिरफ्तार

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना में हैदराबाद शहर, पुलिस ने दो नशीले पदार्थ तस्करों और एक उपचोका को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने रोवर को रेडीर रेडी नगर में आउटर रिंग रोड (ओपरेटर एक्सप्रेस रोड) पर अधिकारी छेड़ा था। इसी दौरान हैदराबाद से नशीला पदार्थ ले जा रहे लोगों को रोका गया। उड़ोने भागने का प्रयास किया, लेकिन वे असफल रहे। उनके बाहरों की तलाश में करीब 51.45 ग्राम कोकिन बूबूस, 44 एम्फीएम, एक्सट्रसी गोलियां, आठ ग्राम एम्फीएम, क्रिस्टल, 97,500 की कनदी, पांच मोबाइल फोन और कई अन्य सामान जब्त किए। इन नशीले पदार्थों की गोली में बचने के लिए ले जाया जा रहा था।

## रवाटू श्यामजी के दर्शन कर लौट रहा था परिवार

## सड़क हादसे में 6 की मौत



भरतपुर, एजेंसी। राजस्थान के भरतपुर में एक भीषण सड़क हादसे में 6 लोगों की मौत हो गई। हादसा एक कार के स्लीपर कोच बस से टकराने पर हुआ। यह टक्के इतनी भीषण थी कि कार सवार छह लोगों की दर्दनाक मौत हो गई। पुलक लोग लोड़ा परिवार के सदस्य थे। हादसे में तीन बच्चे भी घायल हुए हैं। हादसे का शिकार परिवार थीलपुर निवासी था।

पुरा परिवार खाटू श्याम के दर्शन करने के बाद वापस लौटे रहा था। इस दौरे से जीव दो लोड़ा और लोड़े आएंगे।

धोलपुर निवासी हैंद्रें लोड़ा और सांड भी चेपेट में आ गए। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों अस्पताल में पहुंचाया।

धोलपुर निवासी हैंद्रें लोड़ा और सांड भी चेपेट में आ गए। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों अस्पताल में पहुंचाया।

धोलपुर निवासी हैंद्रें लोड़ा और सांड भी चेपेट में आ गए। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों अस्पताल में पहुंचाया।

धोलपुर निवासी हैंद्रें लोड़ा और सांड भी चेपेट में आ गए। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों अस्पताल में पहुंचाया।

धोलपुर निवासी हैंद्रें लोड़ा और सांड भी चेपेट में आ गए। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों अस्पताल में पहुंचाया।

धोलपुर निवासी हैंद्रें लोड़ा और सांड भी चेपेट में आ गए। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों अस्पताल में पहुंचाया।

धोलपुर निवासी हैंद्रें लोड़ा और सांड भी चेपेट में आ गए। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों अस्पताल में पहुंचाया।

धोलपुर निवासी हैंद्रें लोड़ा और सांड भी चेपेट में आ गए। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों अस्पताल में पहुंचाया।

धोलपुर निवासी हैंद्रें लोड़ा और सांड भी चेपेट में आ गए। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों अस्पताल में पहुंचाया।

धोलपुर निवासी हैंद्रें लोड़ा और सांड भी चेपेट में आ गए। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों अस्पताल में पहुंचाया।

धोलपुर निवासी हैंद्रें लोड़ा और सांड भी चेपेट में आ गए। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों अस्पताल में पहुंचाया।

धोलपुर निवासी हैंद्रें लोड़ा और सांड भी चेपेट में आ गए। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों अस्पताल में पहुंचाया।

धोलपुर निवासी हैंद्रें लोड़ा और सांड भी चेपेट में आ गए। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों अस्पताल में पहुंचाया।

धोलपुर निवासी हैंद्रें लोड़ा और सांड भी चेपेट में आ गए। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों अस्पताल में पहुंचाया।

धोलपुर निवासी हैंद्रें लोड़ा और सांड भी चेपेट में आ गए। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों अस्पताल में पहुंचाया।

धोलपुर निवासी हैंद्रें लोड़ा और सांड भी चेपेट में आ गए। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों अस्पताल में पहुंचाया।

धोलपुर निवासी हैंद्रें लोड़ा और सांड भी चेपेट में आ गए। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों अस्पताल में पहुंचाया।

धोलपुर निवासी हैंद्रें लोड़ा और सांड भी चेपेट में आ गए। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों अस्पताल में पहुंचाया।

धोलपुर निवासी हैंद्रें लोड़ा और सांड भी चेपेट में आ गए। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों अस्पताल में पहुंचाया।

धोलपुर निवासी हैंद्रें लोड़ा और सांड भी चेपेट में आ गए। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों अस्पताल में पहुंचाया।

धोलपुर निवासी हैंद्रें लोड़ा और सांड भी चेपेट में आ गए। सूचना पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर घायलों अस्पताल में पहुंचाया।</p







सागर, मंगलवार 12 सितम्बर 2023

संस्थापक-संपादक : स्व. मायाराम सुरजन

## मीडिया से बचते मोदी

एक ओर तो रविवार को सम्पत्र हुए जी-20 सम्मेलन में उभरे अनेक अंतर्राष्ट्रीय मसलों के बारे में खबरें आ रही हैं, तो वहीं ये पहलू भी सामने आया है कि नरेन्द्र मोदी सरकार ने अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन को मीडिया से बात करने की इजाजत नहीं दी थी। शिखर सम्मेलन के पहले तथा मोदी-बाइडेन मुलाकात के बाद प्रेस अमेरिकी राष्ट्रपति से बात करना चाहता था, लेकिन उन्हें ऐसा करने नहीं दिया गया।

अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने वियतनाम पहुंचकर यह जानकारी दी जिसे लेकर कांग्रेस के महासचिव जयराम नरेश ने तंज करने से हुए अपरोपण लगाया है कि 'पीएम मोदी बाइडेन से कह रहे हैं कि न प्रेस कांफ्रेंस करुंगा, न करने दूरा।' (प्रेस कांफ्रेंस नहीं करेंगे और न ही आपको करने देंगे)। अमेरिकी राष्ट्रपत्यक्ष ने जो कुछ वियतनाम में कहा उसके मुताबिक उन्होंने (बाइडेन ने) मोदी से मानवाधिकारों के सम्मान और एक मजबूत समृद्ध देश के निर्माण में नागरिक संस्थाओं और स्वतंत्र प्रेस की महत्वपूर्ण भूमिका के महत्व को उठाया था।

यह अपने आप में बड़ा विरोधाभास है कि एक ओर तो बाइडेन स्वतंत्र प्रेस की भूमिका वाद दिला रहे हैं और स्वयं मोदी उत्तरी ही तेजी से उनकी सीख को दराकिनार करते हुए मीडिया से न स्वयं बात करते हैं और न ही अपने मेहमान को बात करने दे रहे हैं। पहली बात तो यह है कि एक राष्ट्रपति को दूसरे सम्प्रभु मुल्क के राष्ट्रपत्यक्ष से यह कहने की आखिर ज़रूरत ही क्यों पड़ी कि वे मानवाधिकारों का सम्मान करें और नागरिक संस्थाओं व स्वतंत्र मीडिया की भूमिका को समझें। क्या अपने देश को हर घड़ी 'लोकतंत्र की जननी' बतलाने वाले राष्ट्रप्रमुख से इस बात की उम्मीद नहीं की जानी चाहिये कि वे इन तथ्यों को पहले से जानें? फिर, एक अन्य राष्ट्रपत्यक्ष को क्या यह सीख दी जाने की आवश्यकता इसलिये पड़ गई क्योंकि उसे इस बात का इलम है कि मेजबान देश में ऐसा नहीं हो रहा है? यानी घर आया मेहमान जानता है कि आप मानवाधिकार का सम्मान नहीं करते, यह देश नागरिक संस्थाओं की भूमिका से अनभिज्ञ है और यहां मीडिया आजाद नहीं है।

सम्भव है कि भारत का विदेश मंत्रालय इस बात का कोई जवाबी बयान जारी करे या फिर यह भी हो सकता है कि वियतनाम दौरे के समाप्त अवसर बाइडेन जब मीडिया को विस्तार से सम्बोधित करें तो इस बाबत और भी खुलासा करें। अमेरिका का विदेश मंत्रालय भी वाशिंगटन से ऐसा कर सकता है। जो भी हो, बाइडेन का यह बयान भारत के लिये शर्मिंदगी लेकर आया है। वह इसलिये कि यहां होते मानवाधिकारों के हनन, नागरिक संस्थाओं व मीडिया की आजादी को लेकर गम्भीर स्थिति बन गई है। अधिक कष्टप्रद तो यह है कि जो कुछ भी बाइडेन ने कहा, उसका प्रमाण मोदी स्वयं और तक्ताल के दरे हैं। कदाचित अमेरिकी राष्ट्रपति ने जो कुछ कहा उसका आधार उन तक पहुंचती भारत की इस आशय की खबरें हो सकती हैं। इसके अलावा जून में मोदी जब अमेरिका गये थे तब भी उनसे बार-बार निवेदन किया गया था कि बाइडेन के साथ द्विपक्षीय वार्ता के बाद वे साझा प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करें। मीडिया ही नहीं, सभी तरह के मंचों पर सवालों से भागने वाले मोदी इससे मुकरते रहे। एक बड़े दबावके अंतर्गत मोदी इसके लिये राजी तो हो गये परन्तु केवल दो सवाल लेने के लिये तैयार हुए थे। उनसे भारत में होते अल्पसंख्यकों के उत्पीड़न और देश में धार्मिक आजादी पर होने वाले हमलों से सम्बोधित प्रश्न किये गये थे। यह भी पूछा गया था कि वे इससे निपटने के लिये क्या उपाय कर रहे हैं। सवालों का तार्किक व सिलसिलावार उत्तर देने की बाजारी जीवानी देती है। इसके अलावा जून में मोदी जब आधार के नवाचारित दलों के नवाचारित

जी

20 के अनुपातीन तमाजों की चकाचौंड से मोदीराजने जो जिन बहुत सी अप्रिय सच्चाईयों को एक हृद तक कामयाबी के साथ छुपाया है, उनमें एक सच्चाई प्रधानमंत्री मोदी और उनके नेतृत्व में चल रही संघ-भाजपा की जोड़ी के घटते जै-संघन की है। इसी सच्चाई का एक और सबूत, जी-20 के शुरु होने से ऐसे पहले आए, छः अलग-अलग राज्यों में हुए साथ विधानसभाओं सीटों के उपचुनाव के रूप में सामने आया है। अबका, सभी जानते हैं कि अम तीर पर उपचुनाव में अंतर खासतर पर विधानसभाओं उपचुनावों में, सताधारी दलों के लिए अनुकूल स्थिति रहती है और इसलिए उप-चुनावों के नीतीजों में बहुत ज्यादा अर्थ नहीं पढ़ा जाता है। फिर भी 'एनडीए' ने अपना स्कोर बाजाए रखा है। एनडीए की है डलाइन का इस सीमित अर्थ में कुछ औचित्य का बाजाना जा सकता है कि उपचुनाव से चुनावी घटकों के बहुत ज्यादा आवाज आया।

इंडिया की सुरक्षा बैठक में, जो हाल के विधानसभाओं उप-चुनावों से सीटों पहले, 31 अगस्त तक 1 सिर्वरको हुई थी, यहां ज्यानीकी पाठ्यांकों के लिए दिखाया गया था। बैशक, इस बैठक में आने वाले लोकसभा चुनाव में हो "मिलकर लड़ने" का सकल लिया गया था और वह भी अलग-अलग ज्यानीकी पाठ्यांकों के स्थानों को महज लिया गया। अब उन नीतीजों के बृहत्तर संकेतों को पूर्ने से तब इंकार करना तो और बैरुत का होगा। जब अलग-अलग दलों के लिए अनुकूल स्थिति रहती है तो उनकी आवाज आयी है।

इंडिया की सुरक्षा बैठक में, जो हाल के विधानसभाओं उप-चुनावों से सीटों पहले, 31 अगस्त तक 1 सिर्वरको हुई थी, यहां ज्यानीकी पाठ्यांकों के लिए दिखाया गया था। बैशक, इस बैठक में आने वाले लोकसभा चुनाव में हो "मिलकर लड़ने" का सकल लिया गया था और वह भी अलग-अलग ज्यानीकी पाठ्यांकों के स्थानों को महज लिया गया। अब उन नीतीजों के बृहत्तर संकेतों को पूर्ने से तब इंकार करना तो और बैरुत का होगा। जब अलग-अलग दलों के लिए अनुकूल स्थिति रहती है तो उनकी आवाज आयी है।

इंडिया की सुरक्षा बैठक में, जो हाल के विधानसभाओं उप-चुनावों से सीटों पहले, 31 अगस्त तक 1 सिर्वरको हुई थी, यहां ज्यानीकी पाठ्यांकों के लिए दिखाया गया था। बैशक, इस बैठक में आने वाले लोकसभा चुनाव में हो "मिलकर लड़ने" का सकल लिया गया था और वह भी अलग-अलग ज्यानीकी पाठ्यांकों के स्थानों को महज लिया गया। अब उन नीतीजों के बृहत्तर संकेतों को पूर्ने से तब इंकार करना तो और बैरुत का होगा। जब अलग-अलग दलों के लिए अनुकूल स्थिति रहती है तो उनकी आवाज आयी है।

इंडिया की सुरक्षा बैठक में, जो हाल के विधानसभाओं उप-चुनावों से सीटों पहले, 31 अगस्त तक 1 सिर्वरको हुई थी, यहां ज्यानीकी पाठ्यांकों के लिए दिखाया गया था। बैशक, इस बैठक में आने वाले लोकसभा चुनाव में हो "मिलकर लड़ने" का सकल लिया गया था और वह भी अलग-अलग ज्यानीकी पाठ्यांकों के स्थानों को महज लिया गया। अब उन नीतीजों के बृहत्तर संकेतों को पूर्ने से तब इंकार करना तो और बैरुत का होगा। जब अलग-अलग दलों के लिए अनुकूल स्थिति रहती है तो उनकी आवाज आयी है।

इंडिया की सुरक्षा बैठक में, जो हाल के विधानसभाओं उप-चुनावों से सीटों पहले, 31 अगस्त तक 1 सिर्वरको हुई थी, यहां ज्यानीकी पाठ्यांकों के लिए दिखाया गया था। बैशक, इस बैठक में आने वाले लोकसभा चुनाव में हो "मिलकर लड़ने" का सकल लिया गया था और वह भी अलग-अलग ज्यानीकी पाठ्यांकों के स्थानों को महज लिया गया। अब उन नीतीजों के बृहत्तर संकेतों को पूर्ने से तब इंकार करना तो और बैरुत का होगा। जब अलग-अलग दलों के लिए अनुकूल स्थिति रहती है तो उनकी आवाज आयी है।

इंडिया की सुरक्षा बैठक में, जो हाल के विधानसभाओं उप-चुनावों से सीटों पहले, 31 अगस्त तक 1 सिर्वरको हुई थी, यहां ज्यानीकी पाठ्यांकों के लिए दिखाया गया था। बैशक, इस बैठक में आने वाले लोकसभा चुनाव में हो "मिलकर लड़ने" का सकल लिया गया था और वह भी अलग-अलग ज्यानीकी पाठ्यांकों के स्थानों को महज लिया गया। अब उन नीतीजों के बृहत्तर संकेतों को पूर्ने से तब इंकार करना तो और बैरुत का होगा। जब अलग-अलग दलों के लिए अनुकूल स्थिति रहती है तो उनकी आवाज आयी है।

इंडिया की सुरक्षा बैठक में, जो हाल के विधानसभाओं उप-चुनावों से सीटों पहले, 31 अगस्त तक 1 सिर्वरको हुई थी, यहां ज्यानीकी पाठ्यांकों के लिए दिखाया गया था। बैशक, इस बैठक में आने वाले लोकसभा चुनाव में हो "मिलकर लड़ने" का सकल लिया गया था और वह भी अलग-अलग ज्यानीकी पाठ्यांकों के स्थानों को महज लिया गया। अब उन नीतीजों के बृहत्तर संकेतों को पूर्ने से तब इंकार करना तो और बैरुत का होगा। जब अलग-अलग दलों के लिए अनुकूल स्थिति रहती है तो उनकी आवाज आयी है।

इंडिया की सुरक्षा बैठक में, जो हाल के विधानसभाओं उप-चुनावों से सीटों पहले, 31 अगस्त तक 1 सिर्वरको हुई थी, यहां ज्यानीकी पाठ्यांकों के लिए दिखाया गया था। बैशक, इस बैठक में आने वाले लोकसभा चुनाव में हो "मिलकर लड़ने" का सकल लिया गया था और वह भी अलग-अलग ज्यानीकी पाठ्यांकों के स्थानों को महज लिया गया। अब उन नीतीजों के बृहत्तर संकेतों को पूर्ने से तब इंकार करना तो और बैरुत का होगा। जब अलग-अलग दलों के लिए अनुकूल स्थिति रहती है तो उनकी आवाज आयी है।

इंडिया की सुरक्षा बैठक में, जो हाल के विधानसभाओं उप-चुनावों से सीटों पहले, 31 अगस्त तक 1 सिर्वरको हुई थी, यहां ज्यानीकी पाठ्यांकों के लिए दिखाया गया था। बैशक, इस बैठक में आने वाले लोकसभा चुनाव में हो "मिलकर लड़ने" का सकल लिया गया था और वह भी अलग-अलग







